बेहतर पत्रकारिता के लिए आध्यात्मिक जागृति ज़रूरी

मीडिया कर्मियों के लिए त्रिदिवसीय संवाद का सफल आयोजन

मीडिया संवाद में सम्बोधित करते हुए ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु. आशा। साथ हैं ब्र.कु. शुक्ला बहन, प्रो. कमल दीक्षित, के.जी. सुरेश, एन.के. सिंह व अन्य मीडियाकर्मी।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेन्टर में मीडिया कर्मियों के लिए 'आंतरिक सशक्तिकरण एवं तनाव प्रबन्धन' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय संवाद कार्यक्रम में दिल्ली एवं एन.सी.आर. के अनेक मीडियाकर्मी सम्मिलित हुए। भारतीय जन संचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक के.जी. सुरेश ने कहा कि पत्रकारिता का अर्थ केवल सामाजिक बुराइयों को ही दिखाना नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक पक्ष को भी उजागर करना है जिससे लोगों को प्रेरणा मिले। पायनियर के पूर्व संपादक प्रदीप माथुर ने कहा कि उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए जीवन में श्रेष्ठ मूल्यों एवं चरित्र का होना ज़रूरी है। साथ ही पत्रकारिता में तकनीक का सही उपयोग करने के लिए समझ की भी आवश्यकता है। वरिष्ठ पत्रकार एन.के. सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ एक अद्भुत संस्था है, जो मानव को आध्यात्मिक जागृति के माध्यम से मूल्यों के प्रति सजग कर रही है। ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि बेहतर पत्रकारिता के लिए हमें पहले स्वयं को सशक्त करना होगा। राजयोग के द्वारा हम भयमुक्त बनते हैं जिससे ही हम निष्पक्ष पत्रकारिता कर सकते हैं। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शुक्ला ने कहा कि नैतिकता के बल पर ही हम बेहतर विश्व का निर्माण कर सकते हैं और भारत को पुनः देव भूमि बना सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकार कमल दीक्षित ने कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि आंतरिक सशक्तिकरण के द्वारा पत्रकारों में सच कहने का साहस पैदा करना ही इसका मुख्य लक्ष्य है। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु. सुशांत ने किया।

- आध्यात्मिकता हमें सकारात्मक पत्रकारिता की तरफ ले जाती
- पत्रकारिता में तकनीक के सही उपयोग के लिए समझ आवश्यक
- ब्रह्माकुमारीज़ मानव को मूल्यों के प्रति कर रही सजग

अध्यात्म व आत्म जागृति द्वारा पाँच तत्वों को करें शुद्ध

पर्यावरण दिवस पर संगोष्ठी में सम्बोधित करते हुए समाजसेवी विनोद तिवारी। मंचासीन डॉ. किरण बिसेन, ब्र.कु. गणेशी बहन तथा ब्र.कु. वासुदेव।

छिंदवाड़ा-म.प्र.। विश्व दर्शन भवन में पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में समाजसेवी विनोद तिवारी ने कहा कि प्रकृति हमारी माँ के समान है, जिसकी रक्षा करना हमारा परम कर्त्तव्य है। इसके साथ ही हमें अपने जीवन में, परिवार में एवं समाज में आध्यात्मिकता एवं नैतिकता का समावेश भी करना चाहिए। डॉ. किरण बिसेन,डी.एफ.ओ., छिंदवाड़ा ने बताया कि प्रकृति को हानि पहुंचाने वाली सभी चीज़ों का हम कम से कम प्रयोग करें एवं विशेष रूप से पॉलिथीन एवं प्लास्टिक का कम प्रयोग करें या उन्हें पुनः प्रयोग करें तथा समाज में इसकी जागरुकता फैलायें। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गणेशी ने कहा कि हमारा वातावरण आज स्थूल रूप से तो प्रदूषित हो ही रहा है, परंतु इसके साथ-साथ हम सभी के नकारात्मक संकल्पों से भी ज़्यादा प्रदूषित हो रहा है। जिस प्रकार हमारा यह शरीर पाँच तत्वों से मिलकर बना हुआ है और इन पाँचों तत्वों के संचालन का आधार आत्मा पर है। तो हम आत्म जागृति कर फिर इन पाँच तत्वों को स्थूल एवं सूक्ष्म रूप से शुद्ध बना सकते हैं। उन्होंने सभी को शुभ विचारों के द्वारा राजयोग का अभ्यास कराया। सभी ने प्रकृति को मिलकर शुद्ध बनाने की प्रतिज्ञा ली। ब्र.कु. वासुदेव ने संस्था का परिचय दिया तथा मंच संचालन किया।

नशामुक्त समाज बनाने में 'राजयोग मेडिटेशन' कारगर साधन

रीवा-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिधाम सेवाकेन्द्र में 'नशामुक्त एवं मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण में सुरक्षा प्रभाग की भूमिका' विषय पर आयोजित कार्यशाला में म.प्र. होमगार्ड पुलिस, महिला थाना, म.प्र. रेडियो पुलिस सहित अन्य प्रभागों के प्रतिनिधियों ने नशामुक्त समाज बनाने की दिशा में अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त डीजीपी शिवमोहन सिंह ने कहा कि आध्यात्मिक चिंतन एवं मेडिटेशन से सहज ही सरलतापूर्वक नशामुक्त जीवन बना सकते हैं।

रेडियो पुलिस की ज़ोनल पुलिस अधीक्षक सुष्मा अग्रवाल ने कहा कि अपने जीवन को प्रसन्नचित्त एवं खुशनुमा बनाएं तो कभी भी नशा रूपी ज़हर की आवश्यकता नहीं होगी। कार्यक्रम में पुलिस उप निरीक्षक विकास पाण्डेय, पुष्पेन्द्र चंदेल, श्याम सिंह धुर्वे ने कहा कि नशामुक्त समाज में सुरक्षा प्रभाग की भूमिका प्रेरणादायी होनी चाहिए, तभी आम जनता पुलिस पर विश्वास करेगी। कार्यक्रम में समाजसेवी व सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता आर.के. सिंह, समाज सेवी नीरज शुक्ला, अभिराज एवं प्रमोद पाण्डेय ने नशे से होने वाले दुष्परिणामों पर चर्चा की और बताया कि जनजागृति से ही नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। युवा समाजसेवी सिद्धार्थ श्रीवास्तव, नवीन नागर, वीटीएल अभियंता तथा मुख्य सुरक्षा अधिकारी राजेश शाही ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए नशामुक्त व तनावमुक्त समाज बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर नशामुक्ति के लिए मेडिटेशन राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला ने कराया। कार्यक्रम में समाजसेवी मंगल प्रसाद गुप्ता, गायत्री शक्ति पीठ के प्रबंध ट्रस्टी राजेन्द्र शुक्ला सहित काफी संख्या में विशिष्ट नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यशाला में रीवा सम्भाग की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. निर्मला, अपने विचार व्यक्त करते हुए सेवानिवृत्त डी.जी.पी. शिवमोहन सिंह, ब्र.कु. प्रकाश तथा सुरक्षा विभाग से जुड़े आमंत्रित मेहमान।

व्यसनों से दूर तो ज़िन्दगी सुरक्षित

ग्वालियर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में रेलवे स्टेशन पर 'व्यसन मुक्ति' प्रदर्शनी लगाई गई जिसका शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें उत्तर मध्य रेलवे के पदाधिकारी एस.के. मिश्रा(उपमुख्य अभियंता, निमार्ण), दिनेश नचरेले(उपस्टेशन प्रबंधक,वाणिज्य) उपस्थित थे। ब्र.कु. प्रहलाद ने स्टेशन पर उपस्थित सभी लोगों को बताया कि व्यसन एक ऐसा मार्ग है जो धीमे ज़हर की तरह हमारे शरीर को नष्ट करता है। आज लोग डिप्रेशन, अनिद्रा, तनाव, बीती हुई दुःखद घटनाओं की स्मृति, पारिवारिक कलह, बुरे संग के कारण इन नशीले पदार्थों का सेवन करने लगते हैं। भारत में एक तिहाई कैंसर का कारण तम्बाकू है। तम्बाकू में 4000 रसायनिक तत्व होते हैं जो हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। तम्बाकू में उपस्थित निकोटीन धीमे ज़हर की तरह कार्य करता है। भारत में प्रतिदिन 2500 से 3000 मौतें तम्बाकू के कारण होती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि धूम्रपान का हमारे फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। 90 प्रतिशत फेफड़े का कैंसर धूम्रपान के कारण होता है। धूम्रपान का धुँआ धूम्रपान ना करने वाले व्यक्तियों को भी प्रभावित करता है। आज विश्व में अधिक मात्रा में शराब का सेवन किया जाता है। 60 प्रतिशत से अधिक सड़क दुर्घटनाओं का कारण शराब है। लंबे समय तक शराब का सेवन करने से सिरोसिस, मस्तिष्क की कार्यप्रणाली अनियंत्रित और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो जाती है। व्यसन व्यक्ति के स्वास्थ्य पर तो बुरा प्रभाव डालता ही है, साथ ही गृह-क्लेश का कारण भी बनता है। कई परिवार घर में उपस्थित एक व्यसनी की वजह से बर्बाद हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि आज एक नया एडिक्शन इंटरनेट और सोशल साइट्स का भी होता जा रहा है। जिससे आज परिवार में दूरियां बढ़ती जा रही हैं। आज व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने पारिवारिक सदस्यों के लिए समय निकाले और सोशल साइट्स के लिए एक समय निश्चित करे। उन्होंने शरीर में उपस्थित सूक्ष्म व्यसन जैसे काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष आदि से सभी को अवगत कराया और इनसे मुक्त होने के लिए रोज़ मेडिटेशन करने की सलाह दी। इस अवसर पर उ.म. रेलवे ग्वालियर के पदाधिकारियों ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रदर्शनी में एक व्यसन मुक्ति पात्र भी रखा गया था जिसमें सैकड़ों लोगों ने व्यसन दान किया और शपथ पत्र भी भरा।

व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी में उपस्थित हैं रेलवे के पदाधिकारी एस.के. मिश्रा, दिनेश नचरेले, ब्र.कु. प्रहलाद व अन्य।

सिर्फ गीता में ही है भगवानुवाच

सात दिवसीय गीता ज्ञान रहस्य कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. नेहा को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित करते हुए क्षेत्रीय विधायक प्रताप ग्रेवाल तथा शहर के अग्रणी गणमान्य लोग।

राजोद-पीथमपुर। गीता भी एक दर्पण है जो कि हमें अपना स्वयं का और भगवान का सत्य परिचय कराती है। भगवान सूर्य के समान आभा फैलाने वाला सभी का पालनहार है। उक्त विचार सात दिवसीय 'गीता ज्ञान रहस्य' कार्यक्रम में राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. नेहा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि गीता का ज्ञान एकमात्र ऐसा ज्ञान है जो किसी संत महात्मा ने नहीं बल्कि स्वयं भगवान ने सुनाया है। इसको सुनने से मन के मैल धुल जाते हैं। उन्होंने मृत्यु को परिभाषित करते हुए कहा कि पुरानी देह को छोड़ने और नई देह को धारण करने के बीच के समय को मृत्यु कहते हैं। जैसे पानी का गुण शीतलता है, उसी प्रकार आत्मा का गुण प्रेम, आनंद, सुख, शांति, पवित्रता है। आत्मा के इस ज्ञान को धारण करने से मृत्यु के भय से मुक्त हो सकते हैं। हमें इस सत्य को स्वीकार करना है कि अकेले आये हैं, अकेले जाना है। उन्होंने नशे के बारे में कहा कि तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट, शराब आदि से सोचने समझने की शक्ति समाप्त हो जाती है। इसलिए सारे नशे को त्यागना है और नारायणी नशे में रहना है। अंत में हवन कुंड बनाकर उसमें बड़ी संख्या में लोगों द्वारा नशे, गुस्से, विकारों एवं बुराइयों आदि को स्वाहा किया गया।

कार्यक्रम से पूर्व शहर में कलश यात्रा निकाली गई तथा ब्र.कु. नेहा को रथ पर विराजित किया गया। जगह-जगह पर उनका स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक प्रताप ग्रेवाल ने ब्र.कु. नेहा को शॉल व श्रीफल द्वारा सम्मानित किया और कहा कि राजोद के लिए यह गर्व का विषय है कि यहां इस प्रकार ज्ञान की वर्षा हो रही है और बड़ी बात यह है कि इसका लाभ बड़ी संख्या में लोग ले रहे हैं।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd July 2019
मुख्य संपादक : ब्र.कु. गंगाधर, प्रकाशकः ब्र.कु. करुणा तथा डी.बी. प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित एवं ब्रह्माकुमारीज़ के लिए छपवाया।